ૐકાર ફાઉન્ડેશન ટ્રસ્ટ
'માનવસેવા એ જ ઈશ્વરસેવા'
ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट

वर्ष-6 अंक : 100

सहयोग शुल्क : रु. 1 / मई : 2025

दिव्यांग सेतु

संपादक :- संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

"पायल नाग चुनौतियों को सफलता की ओर कदम बढ़ाने वाले पत्थरों में बदलने का द्रष्टांत है ।"

– संतश्री ॐऋषि प्रितेशभाई

"पायल नाग की यात्रा रूढ़ियों को तोडती और संभावनाओं को परिभाषित करती है।"

– माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

निरामय हेल्थ पॉलिसी

पात्रता

- केन्द्र सरकार द्वारा चलाई जा रही यह पॉलिसी सेरेबल, पाल्सी, ऑटिज्म, मेन्टल रिटार्डेशन, मल्टिपल डिसेबिलिटीसे असरग्रस्त दिव्यांगो को मिल सकती है।
- ४०% अथवा उससे अधिक दिव्यांगता से असरग्रस्त व्यक्ति को इस पॉलिसी का लाभ मिल सकेगा।
- रू. २५०/- बी.पी.एल. एवं रु.५००/- ए.पी.एल. दिव्यांगो के लिए सिंगल प्रीमियम

लाभ

रु. १,००,०००/- तक का इंश्योरेंस मिल सकता है।
(निर्धारित किए हुए फंड के अनुसार)

आवेदन-पत्र के साथ जमा किए जाने वाले प्रमाण-पत्र/दस्तावेज

सिविल सर्फर का दिव्यांगता दर्शाता प्रमाण-पत्र

(ऊपर बताई गई चार बीमारियों में से किसी भी एक का उल्लेख प्रमाण-पत्र में जरुरी है)

- ✓ वर्तमान की पासपोर्ट साइज़ फोटो
- ✓ राशनकार्ड की प्रमाणित कोपी
- ✓ निवास स्थान का प्रमाण (राशनकार्ड अथवा वोटिंग कार्ड)
- ✓ बी.पी.एल. कार्ड (यदि बी.पी.एल. में आते हैं तो)
- ✓ बैंक पासबुक की फोटो कोपी (बैंक IFSC कोड के साथ)

संपादकीय

राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में पायल नागकी ऐतिहासिक उपलब्धि आशा की किरण है, जो साबित करती है कि दृढ़ संकल्प और साहस सभी के लिए एक उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। पायल नाग ने दुनिया को प्रेरित करना जारी रखा है, उन्होंने दिखाया है कि कड़ी मेहनत और दृढ़ता से कुछ भी असंभव नहीं है।

पायल की इस अविश्वसनीय उपलब्धि ने उन्हें खेल समुदाय और उससे परे व्यापक मान्यता और प्रशंसा दिलाई है। उन्हें विभिन्न संगठनों और खेल निकायों द्वारा सम्मानित किया गया है, उन्हें लचीलापन और उत्कृष्टता के प्रतीक के रूप में सम्मानित किया गया है।

अपनी व्यक्तिगत उपलब्धियों से परे, पायल विकलांग लोगों को सशक्त बनाने के लिए समर्पित हैं। वह समावेशिता और समान अवसरों को बढ़ावा देने वाली पहलों में सक्रिय रूप से भाग लेती हैं। चाहे प्रेरक वार्ता, वकालत या सलाह के माध्यम से, वह उन लोगों को प्रेरित और मार्गदर्शन करना जारी रखती है जो अपनी विकलांगताओं के कारण सीमित महसूस कर सकते हैं।

पायल नाग की यात्रा सिर्फ़ विकलांगता पर विजय पाने के बारे में नहीं है; यह रूढ़ियों को तोड़ने और संभावनाओं को फिर से परिभाषित करने के बारे में है। उनकी कहानी हमें याद दिलाती है कि सच्ची ताकत दृढ़ता और खुद पर विश्वास में निहित है। वह एक जीवंत उदाहरण हैं कि चुनौतियों को सफलता की ओर कदम बढ़ाने वाले पत्थरों में बदला जा सकता है।

दिव्यांग सेतु
मासिक पत्रिका

मई : 2025, पृष्ठ संख्या : 16
वर्ष-6 अंक : 100

प्रेरणास्त्रोत और संपादक

मंत्रयुगपरिवर्तक ॐकार महामंडलेश्वर १००८
प. पू. संतश्री सद्गुरु ॐऋषि स्वामी।

सह-संपादक

मिहिरभाई शाह

मो. 97241 81999

संपर्क-सूत्र

सेवा समर्पण फाउण्डेशन

ॐकार फाउण्डेशन ट्रस्ट (NGO)

Trust Reg. No. : E/20646/Ahmedabad

०१, ग्राउण्ड फ्लोर, आंगी एपार्टमेन्ट,

अन्नपूर्णा पार्टी प्लाट के सामने,

नया विकासगृह रोड, पालडी,

अहमदाबाद - ३८०००९

(मो.) 99749 55365, 9974955125

मुद्रक

प्रिन्ट विज़न प्रा. लि.

आंबावाडी बाज़ार, अहमदाबाद-6

Phone : 079 26405200

मुंह से चित्र बनाने से लेकर धनुष की डोर तक, कुछ ऐसा रहा है पायल नाग का सफर

ओडिशा के एक अनाथालय से खोजी गईं पायल अपनी पहली प्रतियोगिता में ही नेशनल चैंपियन बन गई हैं। राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में दोहरे स्वर्ण के साथ इतिहास रच रही हैं।

ऐसी दुनिया में जहाँ अक्सर क्षमता को शारीरिक क्षमता से मापा जाता है, पायल नाग लचीलेपन और दृढ़ संकल्प की शक्ति का एक उदाहरण है। पायल ने बाधाओं को तोड़कर सफलता के अर्थ को फिर से परिभाषित किया है। उनकी यात्रा दृढ़ता, जुनून और अपनी क्षमताओं में अटूट विश्वास की यात्रा है।

जब शीतल देवी ने पेरिस 2024 पैरालंपिक में बिना हाथों के तीरंदाजी में भारत का पहला मेडल जीता, तो दुनिया हैरान रह गई। सब सोचने लगे कि यह कैसे संभव हुआ, और वह रातों-रात स्टार बन गईं।

फिर आईं पायल नाग, एक ऐसी तीरंदाज, जिनके न हाथ हैं न पैर और उन्होंने हाल ही में जयपुर में हुई छठी नेशनल पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में शीतल को हराकर खिताब जीता।

पायल ने वहीं ट्रेनिंग ली है, जो शीतल को स्टार बनाने वाली माता वैष्णो देवी श्राइन तीरंदाजी अकादमी से मिली।

लेकिन मैदान पर मुकाबले के बावजूद, पायल शीतल को अपनी बड़ी बहन मानती हैं। उन्हें अपनी दीदी की तरह मानती हैं। वह भी देश के लिए पैरालंपिक मेडल जीतना चाहती हैं।

पायल ने खेलो इंडिया पैरा गेम्स 2025 के दौरान SAI मीडिया से कहा, “अगर मैं ओडिशा के बालंगीर के अनाथालय से आकर शीतल दीदी को हरा सकती हूं, तो मेरा लक्ष्य देश के लिए गोल्ड जीतने से कम नहीं हो सकता। मेरा सपना है कि मैं देश के लिए गोल्ड का मेडल जीतूं।”

पायल नाग कौन हैं?

पायल नाग की कहानी काफी दिलचस्प है। वह

दुनिया की इकलौती तीरंदाज हैं जिनके हाथ-पैर नहीं हैं। वह इटली की महान पैरा-फेंसर बीट्राइस वियो से काफी मिलती-जुलती हैं।

बीट्राइस के हाथ-पैर मेनिनजाइटिस की वजह

वोइस टू दिव्यांग

से चले गए थे, लेकिन इस मुश्किल ने उन्हें हौसला नहीं तोड़ा।

उन्होंने रियो और टोक्यो पैरालंपिक में फॉयल-बी इवेंट में दो स्वर्ण पदक जीतकर पायल जैसे लोगों के लिए मिसाल कायम की। अब पायल भी उसी रास्ते पर चलती दिख रही हैं।

जम्मू में अकादमी के उनके कोच कुलदीप वेदवान ने ओडिशा के बालंगीर में पायल को खोजा और उन्हें तीरंदाजी से जोड़ा। उनका मानना है कि पायल में गजब की प्रतिभा है और उन्होंने उसमें वही आत्मविश्वास भरा।

उनके कोच के साथ-साथ शीतल देवी भी पायल की प्रतिभा की तारीफ करती हैं।

शीतल ने SAI मीडिया से कहा, “जब पायल ने पहली बार तीर चलाया, तो मुझे लगा कि क्या यह संभव होगा, लेकिन उसने शानदार तरीके से किया। मैं खुश हुई। पायल प्रतिभाशाली हैं और मेरी छोटी बहन की तरह हैं। वह मेहनती है। वह देश का नाम रोशन कर सकती हैं।”

साल 2015 में, 11,000 वोल्ट की बिजली की तार छत के ऊपर से गुजर रही थी, जिसके संपर्क में आने से पायल के हाथ-पैर बेकार हो गए। तब वह पांच साल की थीं।

पायल इस हादसे को याद नहीं करना चाहतीं, लेकिन उनके कोच कुलदीप ने बताया, “उनके परिवार के लिए उनकी देखभाल करना मुश्किल हो गया था। फिर जिला कलेक्टर की मदद से 2019 में पायल को बालंगीर के पर्वतीगिरी बाल निकेतन अनाथालय में रखा गया। पायल वहां तीन साल रहीं, और 2022 में मैं उसे जम्मू ले आया।”

बालंगीर से जम्मू तक पायल का सफर बेहद प्रेरणादायक रहा है। ओडिशा के एक गरीब परिवार से आने वाली पायल के घर में माता-पिता और भाई-बहन हैं।

उनके पिता किसान हैं, जबकि उनकी बड़ी बहन वर्षा नाग उनके साथ

वोइस टू दिव्यांग

अकादमी हॉस्टल में रहती हैं और उनकी हर चीज का ध्यान रखती हैं।

पायल ने बताया कि वह अपने मुंह से चित्र बनाया करती थीं और एक दिन किसी ने उनकी एक तस्वीर X (पहले ट्विटर) पर डाली, जो वायरल हो गई।

कोच कुलदीप ने यह देखा और पहली बार पायल से संपर्क किया। पायल ने कहा, "मैं पहले मुंह से चित्र बनाती थी। किसी का चेहरा देखकर मैं उसकी तस्वीर बना सकती थी। मेरी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। मेरे गुरु (कोच कुलदीप) ने भी यह देखा, फिर मेरे अनाथालय आए और मुझे जम्मू ले गए।"

पायल की उपलब्धियां

पायल की प्रतिभा को साबित करने के लिए कुलदीप ने बताया कि 2025 की नेशनल पैरा-तीरंदाजी चैंपियनशिप उनकी पहली प्रतियोगिता थी।

वहां उन्होंने भारत के कई पैरा-तीरंदाजी दिग्गजों, जैसे उनकी राज्य की शीतल देवी और पैरालंपियन ज्योति बालियान के सामने पहला स्थान हासिल किया।

इसके अलावा, पायल ने ओलंपिक राउंड में शीतल को हराकर नेशनल चैंपियन का खिताब जीता।

पायल ने कहा, "जब मैं पहली बार अकादमी गई, तो मैंने देखा कि सबके हाथ-पैर थे। बच्चे हाथों से धनुष पकड़ते थे। मुझे लगा कि मैं कैसे कर पाऊंगी। फिर मेरे गुरु (कोच) ने मुझे भरोसा दिलाया कि वह मेरी मदद करेंगे और मेरी पीठ थपथपाकर कहा कि चिंता मत करो, मैं हूं, तुम कर सकती हो।

इसके बाद सर ने मेरे लिए एक उपकरण बनाया और मुझे अभ्यास करवाना शुरू किया।"

नए उपकरण के बारे में बात करते हुए कुलदीप ने बताया कि उन्होंने पायल के लिए खास धनुष बनाया, जिससे वह नेशनल चैंपियन बनीं।

हालांकि, इसके खिलाफ विरोध भी हुआ। कुलदीप ने कहा, "एक नियम बना कि दोनों पैरों से तीर नहीं चला सकते, लेकिन आने वाले सालों में इसमें बदलाव होगा क्योंकि पायल दुनिया की इकलौती

तीरंदाज हैं जिनके हाथ-पैर नहीं हैं।

इस विरोध को देखकर मैंने एक और उपकरण बनाया, जिसे पायल अब एक पैर से इस्तेमाल करती हैं। अब वह अपने दाएं पैर से धनुष उठाती हैं और दाएं कंधे से खींचती हैं। मैंने उनके लिए तार खींचने का उपकरण भी बनाया।"

फिलहाल, पायल थाईलैंड में होने वाले वर्ल्ड रैंकिंग टूर्नामेंट की तैयारी कर रही हैं।

वह खेलो इंडिया पैरा गेम्स को इसके लिए मंच के तौर पर इस्तेमाल कर रही हैं, लेकिन उनका लक्ष्य 2026 टोक्यो पैरा एशियाई खेल और 2028 पैरालंपिक है।

दो साल पहले तीरंदाजी के बारे में कुछ न जानने वाली पायल अब आत्मविश्वास से भरी हैं।

उन्होंने कहा, "लोग कहते हैं कि जब आपमें आत्मविश्वास हो, तो सब कुछ संभव है। मुझे खुद पर और अपने कोच पर भरोसा था। उनकी वजह से आज मैं यहां आपसे बात कर रही हूं और एक नेशनल मेडल भी जीता है।

जम्मू आने से पहले मुझे तीरंदाजी के बारे में कुछ नहीं पता था। फिर कोच सर ने मुझे शीतल दीदी के वीडियो दिखाए, और तभी मुझे इस खेल के बारे में पता चला।"

बीट्राइस ने एक बार सर एडमंड हिलेरी के हवाले से कहा था, "हम पहाड़ों को नहीं, खुद को जीतते हैं।"

और बीट्राइस की तरह, पायल ने भी खुद को इतना ऊंचा उठा लिया है कि उनके आत्मविश्वास के सामने हर मुश्किल छोटी लगती है। उनकी सफलता के पीछे कई वर्षों का कठोर प्रशिक्षण और अपने खेल के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता है। पायल के प्रशिक्षण में ताकत बढ़ाने वाले व्यायाम, सटीक शूटिंग और मानसिक कंडीशनिंग शामिल हैं। अनुकूली उपकरणों और विशेष कोचिंग की मदद से, उन्होंने तीरंदाजी के लिए आवश्यक तकनीकों में महारत हासिल कर ली है। अपने कौशल को बेहतर बनाने के लिए उनके समर्पण ने उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अब उन्हें बस अपनी प्रतिभा को दुनिया के सामने लाकर सफलता की चोटी तक पहुंचना है।

विकलांग दुनिया की पहली पैरा तीरंदाज पायल नाग ने राष्ट्रीय पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में दोहरा

स्वर्ण जीतकर इतिहास रच दिया है । उनकी उल्लेखनीय उपलब्धि न केवल एक व्यक्तिगत जीत है, बल्कि चुनौतियों का सामना करने वाले अनगिनत अन्य लोगों के लिए प्रेरणा भी है । अपनी अद्वितीय लगन और अटूट भावना के साथ, उन्होंने रूढ़ियों को तोड़ दिया है और साबित कर दिया है कि कोई भी बाधा दुर्गम नहीं है ।

★★★

સદ્ગુરુ ૐઋષિ દ્વારા આ ચેનલ ઉપર દરેક પ્રશ્નોના સમાધાન માટે અલગ - અલગ મંત્ર પ્રશ્નોનાં સમાધાન માટે આપેલ છે, માટે આ ચેનલ અચૂક જોવી, સબસ્ક્રાઇબ કરી બેલ આઇકન (ઘંટડી) ઉપર કલીક કરવું.

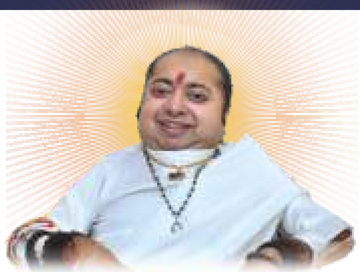

મંત્રયુગપરિવર્તક ૐકાર મહામંડલેશ્વર ૧૦૦૮
પ.પૂ. સંતશ્રી સદ્ગુરુ ૐઋષિ સ્વામી

અમારા નવા વિડીયો મેળવવા માટે સબસ્ક્રાઇબ કરો.

YouTube

સ્ટેપ- ૧ યૂ ટ્યૂબ ચેનલ પર કલીક કરો
સ્ટેપ- ૨ ટાઇપ કરો "SADGURU OMRUSHI"
સ્ટેપ- ૩ "SADGURU OMRUSHI" પર કલીક કરો
સ્ટેપ- ૪ SUBSCRIBE બટન કલીક કરો અને Bell ની નિશાનીને દબાવો.

સદ્ગુરુ ૐઋષિ દ્વારા રચિત રોજનો પવિત્ર શબ્દ નીચે આપેલ ચેનલ ઉપર આપ નિહાળી શકો છો.

ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट द्वारा मनोदिव्यांग बच्चों के लिए आयोजित हुआ AUTISM DAY AWARENESS CAMP & DIVYANG KIDS FASHION SHOW......

२ अप्रैल, २०२५ के दिन अन्नपूर्णा होल पालडी में मनोदिव्यांग बच्चों के लिए उपर्युक्त कार्यक्रम का सुंदर आयोजन किया गया था। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्राकट्य के साथ हुई थी । दीप प्राक्ट्य के साथ सब ने अपने अंतर्मन में कार्यक्रम की सफलता के लिए और मानव जाति की सुंदरता और मानवीयता के लिए प्रार्थना की थी । कार्यक्रम के अगले चरण में Autism Day के इस दिन पर लोगों में इस विषय पर जागृक कैसे करें, इस बीमारी के लक्षण तथा उसके उपायों के बारे में ट्रस्ट द्वारा विस्तृत और उपोयगी जानकारी दी थी। जानकारी के बाद इस कार्यक्रम में मोनदिव्यांग बच्चों का उत्साह बढ़ाने के लिए फैशन शो का सुंदर आयोजन किया गया था। फैशन शो के इस कार्यक्रम में ८० से भी अधिक मनोदिव्यांग बच्चों ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया था । फैशन शो के इस कार्यक्र में मनोदिव्यांग बच्चे भिन्न-भिन्न थीम पर तैयार होकर आए थे। कोई बच्चा परी बना था तो कोई रानी पदमावती, Captain of America, Astronaut, Junk Food Awareness Theme, Hellen, Doctor, Teacher, Actor, Actrees, Tree Theme, Retro Theme, Miss World जैसी विविध theme पर बच्चे केवल वैसे कपडे ही नहीं पहनकर आए थे बल्की उन्होंने Rock Music के साथ रेड कार्पेट पर केट वोक भी किया था। इस कार्यक्रम में प्रतिभागी सभी बच्चों को सर प्राइज गीफ्ट दिया गया था। प्रतिभागी सभी बच्चों में से उपस्थित ज्युरी द्वारा उनके परफोर्मन्स को देखकर winner घोषित कर के उसे ट्रोफी दी गई थी। वहाँ उप्सथित सबी लोगों के लिए नाश्ते की व्यवस्था की गई थी । इस समग्र कार्यक्रम में सभी मनोदिव्यांग बच्चों ने बडे उत्साह के साथ हिस्सा लिया था । यह कार्यक्रम उनके जीवन के संस्मरणों में सब से बडे खुबसुरत पलों का हिस्सा बन गया।

वोइस टू दिव्यांग

WORLD AUTISM DAY CELEBRATION
&
Ahmedabad Biggest
DIVYANG KIDS FASHION SHOW
ॐकार दिव्यांग कला मंच

Ahmedabad Biggest
ॐकार दिव्यांग कला मंच
दिव्यांग किसी से कम नही

Ahmedabad Biggest
ॐकार दिव्यांग कला मंच

&
Ahmedabad Biggest
DIVYANG KIDS FASHION SHOW
ॐकार दिव्यांग कला मंच
दिव्यांग किसी से कम नही

WORLD AUTISM DAY CELEBRATION
&
Ahmedabad Biggest
DIVYANG KIDS FASHION SHOW
ॐकार दिव्यांग कला मंच
दिव्यांग किसी से कम नही

&
Ahmedabad Biggest
ॐकार दिव्यांग कला मंच
दिव्यांग किसी से कम नही

वोइस टू दिव्यांग

मनोदिव्यांगों ने की तिरुपति यात्रा

नवजीवन चेरीटेबल ट्रस्ट द्वारा मनोदिव्यांग लाभार्थियों के लिए दक्षिण भारत की तीर्थयात्रा का विशेष आयोजन किया गया था । पूरे विश्व में प्रसिद्ध दक्षिण भारत के विभिन्न तीर्थस्थान विशेष रूप से मंदिरो में जेसे कि पद्मनाभ मंदिर, कन्याकुमारी, विवेकानंद मेमोरियल, रोमेश्वरम्, मीनाक्षी मंदिर, अरबिंद आश्रम, शिव कांची-विष्णु मंदिर, महालक्ष्मी गोल्डन मंदिर, पद्मावती मंदिर और तिरपुति की यात्रा का आयोजन किया गया था । तारीख 8 से 19 अपैल तक आयोजित इस यात्रा में आए सभी मनोदिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष सुविधाओं का खास ध्यान रखा गया था । दक्षिण भारत के ये सभी मंदिर पूरे विश्व में प्रसिद्ध होने के कारण वहाँ भीड़ अधिक रहती है । इसलिए इन यात्रियों के लिए एस्कोर्ट की व्यवस्था की गई थी । यात्री केवल मंदिरों में नहीं किंतु वहाँ से सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों की मुलाकात ले सके और अपने जीवन के संस्मरणों को यादगार बना सके इसलिए साइट सीन की विशेष व्यवस्था की गई थी । सारे यात्रियों ने ट्रेन और बस से इस यात्रा का आनंद उठाया था । सभी यात्रियों के लिए रहने, खाने-पीने, ट्रान्सपोर्ट तथा साइट सीन देखने के लिए भी विशेष आयोजन किया गया था । इस यात्रा में आए सभी यात्रियों ने पूरा आनंद उठाया और अपने जीवन के सुंदर संस्मरणों में एक नया पन्ना जोड़ा ।

★★★

मनोदिव्यांग बच्चों को फूल स्केप नोटबुक का वितरण

मनोदिव्यांग बच्चों के लिए सदैव कार्यरत स्मित चाइल्ड एज्युकेशन ट्रस्ट अखबारनगर द्वारा होली-धूलेटी के पर्व पर खजूर-सींग-चने,मुरमुरे, पिचकारी दिए गये थे । बच्चों ने तिलक और फुलों से होली का पर्व मनाया था ।

मनोदिव्यांग बच्चों को फूल स्केप नोटबुक का वितरण

दिनांक २९-३-२०२५ दे दिन अहमदाबाद के अखबार नगर सर्कल, नवा वाडज स्थित स्मित चाइल्ड एज्युकेशन ट्रस्ट में अध्ययन करने वाले मवो दिव्यांग छात्रों को श्री पंकजभाई जोशी और गायत्री परिवार नारणपुरा के सौजन्य से मनोदिव्यांग बालकों को अभ्यास लेखन में सहायता के लिए फूल स्केप नोटबुक का वितरण किया गया। शिक्षा सहाय के लिए मिले नये फूल स्केप बुक पाकर सभी मनोदिव्यांग बच्चो के चेहरे खुशी से खिल उठे थे। संचालक श्री चंद्रसिंह चौहाण ने मनोदिव्यांग बच्चों के लिए की गई इस सहायता के लिए आभार प्रकट किया था।

Karma Associates

TATA AIA LIFE INSURANCE

TATA AIG INSURANCE

"All insurance in one umbrella."

Life
Health
Motor
Fire
Personal Accident
Project
Marine
Travel
Home

Book your Appointment:

Bhavin Shah - 99255 94767 | Priti Vora - 99241 99190

karmaassociatesbhavinshah@gmail.com

Kalash Associates

- Car Loan
- Home Loan
- Business Loan
- Personal Loan
- Mortgage Loan
- Education Loan

Book your Appointment:

Jinal Joshi - 7575816434

kalashassociates87@gmail.com

Golden opportunity to join our business... 99255 94767

ॐकार फाउन्डेशन ट्रस्ट

संचालित (N.G.O.)

ॐकार दिव्यांग ट्रेनींग डे-केर सेन्टर

मानसिक दिव्यांग बच्चों के लिए निःशुल्क तालीम संस्था

▲ World Autisum Day ▲Table Tennis Competition ▲ Painting Competition ▲Sports Day Celebration
▲Rakshabandhan Celebration ▲ 15th August Celebration ▲Janmashtami Celebration
▲ Anand Niketan School Visit ▲ Picnic ▲ Traffic Awareness Program Navratri Celebration

★★★ शाला में प्रवेश के लिए संपर्क करें ★★★

सुमेल ५, हाउस नं.: ४८/डी, बिजनेस पार्क, चामुंडा ब्रीज कोर्नर,
असारवा, अहमदाबाद-३८००१६ मो.: 99749 55125, 99749 55365

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर